

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

बदली हुई कांग्रेस ने RJD को दी सीधी चुनौती : CM फेस और सीट बंटवारे पर अड़ा रुख

Publisher

Published on 10 Oct 2025



बिहार की राजनीति में कांग्रेस पार्टी ने 2025 के विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने अब तक अपने परंपरागत तरीके और रुख को छोड़कर एक नए, आक्रामक और स्वतंत्र रुख को अपनाया है। इसके तहत कांग्रेस ने आरजेडी के साथ सीधे संवाद और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन साथ ही सीएम फेस और सीट बंटवारे को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से अड़ा रखा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बिहार में कांग्रेस की यह सक्रियता और नए रणनीतिक दृष्टिकोण का मुख्य कारण राहुल गांधी की बढ़ती सक्रियता है। जनवरी से जून 2025 के बीच, राहुल गांधी ने छह बार बिहार का दौरा किया और अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान 17 दिनों तक लीड रोल निभाया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच उनका सीधा संवाद कांग्रेस के लिए नई ऊर्जा लेकर आया।

राहुल गांधी के दौरे और सक्रियता के दौरान, कांग्रेस ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह अब आरजेडी के सहयोग को केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सामरिक रूप से अपनाने की दिशा में है। तेजस्वी यादव ने भी इस दौरान अपनी राजनीतिक रणनीति में कांग्रेस को शामिल करते हुए राहुल गांधी के पीछे चलते दिखे, जिससे स्पष्ट संकेत मिले कि आगामी चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच संवाद और सहयोग की संभावना बढ़ रही है।

कांग्रेस का रुख अब पहले की तुलना में काफी सख्त और स्पष्ट हो गया है। पार्टी ने सीट बंटवारे और सीएम फेस को लेकर कोई समझौता नहीं किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस अब केवल सहयोग की स्थिति में ही समर्थन देगी, लेकिन अपने मुख्य मुद्दों और नेतृत्व की पहचान पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह रुख कांग्रेस की राजनीतिक परिपक्वता और चुनाव में रणनीतिक मजबूती को दर्शाता है।

राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह बदलाव कांग्रेस की नई पहचान और आक्रामक राजनीति का संकेत है। पार्टी अब न केवल आरजेडी और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ सहयोग कर रही है, बल्कि अपनी ताकत और अलग पहचान बनाए रखने की

दिशा में भी अग्रसर है। इसका असर 2025 के चुनाव में साफ दिखेगा, जहां कांग्रेस अपने वोट बैंक को मजबूत करने के साथ-साथ गठबंधन की स्थिति को भी सुदृढ़ करने की कोशिश कर रही है।

साथ ही, कांग्रेस की नई रणनीति में **स्थानीय मुद्दों और विकास योजनाओं** को प्रमुखता दी जा रही है। राहुल गांधी और पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के बीच जाकर सीधे संवाद कर रहे हैं, जिससे पार्टी की जनता में सशक्त उपस्थिति बनी है। उनकी यह सक्रियता विशेष रूप से युवा मतदाताओं और महिला मतदाताओं के बीच पार्टी की लोकप्रियता बढ़ाने में मदद कर रही है।

सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के लिए यह नया परिदृश्य चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। कांग्रेस की नई सक्रियता और स्पष्ट रुख से बिहार की राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की संभावना बढ़ गई है। सीट बंटवारे और सीएम फेस को लेकर अड़ान से पता चलता है कि कांग्रेस **सिर्फ सहयोग के लिए तैयार नहीं, बल्कि नेतृत्व और रणनीति में अपनी प्रमुख भूमिका बनाए रखना चाहती है।**

विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस का यह रुख आगामी चुनावों में **राजनीतिक स्थिरता और गठबंधन की मजबूती** दोनों पर असर डाल सकता है। इसके अलावा, राहुल गांधी की सक्रियता और जनता से संवाद ने पार्टी को **नया उत्साह और ऊर्जा** दी है, जो चुनावी रणनीति को और सशक्त बनाएगी।

बिहार में कांग्रेस की नई रणनीति यह संदेश देती है कि पार्टी अब केवल गठबंधन की भूमिका में नहीं रहेगी, बल्कि **अपनी राजनीतिक ताकत और पहचान** के साथ आने वाले चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगी। RJD के साथ सहयोग की स्थिति में भी पार्टी स्पष्ट कर रही है कि **सीएम फेस और सीट बंटवारे पर कोई समझौता नहीं होगा**, जो आगामी चुनाव की राजनीति को और अधिक रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक बनाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.